Shalini Convent School

Class notes and Assignment

Class – 6th
Sub – हिंदी

Topic – पाठ 3 नादान दोस्त
लेखक – प्रेमचंद

Note – दिए गए कार्य को हिंदी कॉपी में लिखें तथा तय तिथि को कॉपी अपने विषय शिक्षिका को जाँच करने हेतु आवश्यक रूप से विद्यालय में जमा करें |

प्रश्न 1- अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?

उत्तर - केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर सवाल उठते कि अंडे कितने बड़े होंगे ? कितने और किस रंग के होंगे ? क्या खाते होंगे और उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे ? उनके सवालों का जवाब देने वाले उनके माता-पिता बहुत व्यस्त थे । माँ घर के कामो में और पिता जी पढ़ने लिखने में । उनकी जिज्ञासाओं को मिटाने वाला कोई नहीं था, इसीलिए दोनों आपस में ही सवाल जवाब करके खुद को तसल्ली दिया करते थे |

प्रश्न 2- केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर- कार्निस पर चिड़िया के अंडे थे । केशव और श्यामा ने सोचा कि अंडों से बच्चे निकल आए होंगे । उन्हें धूप से बचाने के लिए छत बनाना था इसलिए टोकरी मँगाई गई । चिथड़ों से उनके लिए गद्दी बनाई गई । दाना-पानी मँगाकर उनकी भूख मिटाने का प्रबंध किया गया । प्याली में खाने के लिए दाना और पानी रख दिया ।

प्रश्न 3- केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उत्तर- केशव और श्यामा ने अपनी ओर से तो उन अंडों की रक्षा करनी चाही, पर यह उनकी नादानी सिद्ध हुई । चिड़िया अपने अंडों की रक्षा स्वयं कर सकती थी । बच्चे ने अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उन्हें छूकर गंदा कर दिया । उन्हें नहीं मालूम था कि यदि वे अंडों को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें छोड़ ही देगी । वास्तव में वे तो उन अंडों की रक्षा करना चाहते थे, लेकिन उनकी नादानी से अंडे ख़राब हो गए |